Question Banks (UG)

B.A. in Hindi

DEPARTMENT OF HINDI

SHAILABALA WOMEN’S (AUTO) COLLEGE, CUTTACK

HC-1

Group – A

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 700 से 1000 शब्दों में दीजिए।   3×14=42

   क) 'वसंत-खण्ड में वर्णित सौन्दर्य-चेतना पर प्रकाश डालते हुए सिद्ध कीजिए कि विद्यापति मूलतः विलास और यौवन के कवि हैं।

   ख) "शशिवत्ता – विवाह' में कवि श्रृंगार के क्षेत्र में केवल बाह्य वर्णन तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि आंतरिक मनोदशा की आभिव्यक्ति में भी सफल रहा है" – प्रमाणित कीजिए।

   ग) निर्गुण संतों की परंपरा में कबीर ने गुरु की जो सत्ता का वर्णन किया है, उसका उल्लेख पठित साखियों के आधार पर कीजिए।

   घ) 'नख-शिख' खण्ड के आधार पर पद्मावती के सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।

   ङ) संत-काव्य की परंपरा में संत रैदास के साहित्य का मूल्यांकन कीजिए।

Group - B

2. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं तीन का भावार्थ लिखिए   3×10=30

क) दखिन पवन वह दस दिस शेल, से जीन वादी भासा बोल। मनमन काँ साधन नहि आन, निरसाएल से मानिनि मान।

ख) जल सैसव मुद्द समान भर्य। रवि बाल बहिक्रम अत्यमियं।। वर सैसव जोवन सन्धि अती। सुमिलैं जनु षत्तह बाल जती।।

ग) इस तन का दीवा करौं, बाती मेल्यूँ जीव। लोही सींचौ तेल ज्यूं, कब मुख देखौ पीव।

घ) रावन चहा सोहं होइ होरा उतरि उत्तरि गए दस मांथ। संकर धरा लिलाट भुइँ औरु को जोगी नाथ ।।

ङ) राजा बहुत मुए तपि लाइ लाइ भुइँ माथ। काहूँ छुऔ न पारे गए मरोरत व्यथ।।

Group – C

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में दीजिए   2×4=8

क) कवि ने वृन्दावन के सौन्दर्य का जो वर्णन किया है, उसका उल्लेख कीजिए।

(ख) शशिवृत्ता की आँखें लज्जा से क्यों झुक गयीं ?

(ग) कबीर क्यों कहते हैं कि पीर दर्शन अत्यन्त कठिन है ?

(घ) तोते ने पद्मावती के नेत्रों का कैसा वर्णन किया है ?

HC 2

'क' विभाग

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 700 से 1000 शब्दों में दीजिए :- 3×14=42

   I. 'भ्रमरगीतसार' के पठित पदों के आधार पर सूरदास की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए ।

   II. 'सुंदर कांड' के काव्य-सौंदर्य पर आलोचना कीजिए ।

   III. पठित पदों के आधार पर केशव की कवि-प्रतिभा का मूल्यांकन कीजिए ।

   IV. पठित दोहों के आधार पर बिहारी की श्रृंगार भावना पर विचार कीजिए ।

   V. पठित पदों के आधार पर धनानंद की काव्यगत विशेषताओं की आलोचना कर ।

'ख' विभाग

2.निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन का उत्तर दीजिए : (प्रत्येक उत्तर 400 से 500 शब्दों के बीच होना चाहिए । 3×10=30

क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

आए जोग सिखावन पाँडे ।

परमारथी पुराननि लादे ज्यों बनजारे टाँडे ।

हमरी गति पति कमल नयन की जोग सिखें ते राँडे ।

कहो मधुप, कैसे समायँगे एक म्यान दो खाँडे ।

कहु षटपद, कैसे खैयतु है हाथिन के सँग गाँडे ।

काकी भूख गई बयारि भखि बिना दूध घृत माँडे ।

काहे को झाला लै मिलबत, कौन चोर तुम डाँडे ।

सूरदास तीनों नहिं उपजत धनिया धान कुम्हाँडे ।

ख) सीता और हनुमान के बीच हुए संवादों के महत्व पर प्रकाश डालिए ।

ग) भ ाव स्पष्ट कीजिए :

राम को काम कहा, रिपु जीतहिं, कौन कबै रिपु जीत्यो कहा ।

बालि बली, छल सों, भृगुनंदन गर्ब हत्यो, द्विज दीन महा ।

दीन सु क्यों छिति छत्र हत्यो बिन प्राननि हैहयराज कियो ।

हैहय कौन ? वहै विसरयों जिन खेलत ही तुम्हें बाँधि लियो ।

घ) बिहारी के दोहे 'गागर में सागर' वाली उक्ति का चरितार्थ करने हैं – स्पष्ट कीजिए।

ङ) 'घनानंद के पदों में विप्रलंभ श्रृंगार का मार्मिक विन्यास देखने को मिलता है' – इस बात की पुष्टि कीजिए ।

'ग' विभाग

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए (प्रत्येक उत्तर 150 से 200 शब्दों के बीच होना चाहिए)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं के उत्तर संक्षेप में दीजिए 2×4=8

क) गोपियाँ उद्धव के ज्ञान और योग परक विचार को क्यों अस्वीकार करती हैं ?

ख) त्रिजटा के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

ग) केशव की भाषागत विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।

घ) 'मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ । जा तन की झाईं परत, स्यामु हरित दुति होइ।' -इस दोहे का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

HC-3

Group – A

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 700 से 1000 शब्दों में दीजिए :-   3×14=42

क) 'साकेत' के नवम सर्ग के आधार पर उर्मिला की विरह-भावना का वर्णन कीजिए।

ख) भूतकालीन वैभव और विनास के सुख की स्मृति से मनु के मन में किस प्रकार दुःख की रेखाएँ घनीभूत हो जाती हैं? 'कामायनी' के 'चिन्ता' सर्ग के आधार पर आलोचना कीजिए।

ग) " 'राम की शक्ति-पूजा' राम के ही नहीं, बल्कि निराला के ही जीवन-संघर्षों की अभिव्यक्ति है" प्रमाणित कीजिए।

घ) 'उर्वशी' के तृतीय सर्ग के आधार पर पुरुखा और उर्वशी की प्रेमाभिव्यंजना को स्पष्ट कीजिए।

ङ) "मुक्तिबोध ने अपनी सबसे लम्बी कविता 'अंधेरे में' एक प्रगतिशील मध्यवर्गीय बुद्धिजीवी का आत्मसंघर्ष दिखाया है" - आलोचना कीजिए।

Group - B

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन का भावार्थ लिखिए। 3×10=30

I. प्रोषितपतिकाएँ क्यों जितनी भी सखि, उन्हें मिमन्त्रण दे आ, समदुःखिनी मिले तो दुःख बँटे जा, प्रणयपुरस्सर ले आ।

II. तप नहीं केवल जीवन-सत्य, करुण यह क्षणिक दीन अवसाद, तरल आकांक्षा से है भरा -सो रहा आशा का आह्लाद।

III. लख शंकाकुल हो गये अतुल-बल शेष-नयन; खिंच गये हगों में सीता के राममय नयन; फिर सुना-हँस रहा अट्टहास रावण खल-खल, भवित नयनों से सजल गिरे को मुक्त-दल।

IV. कौन प्रियंवद है कि दम्भ कर इस अभिमन्त्रित कारुवाद्य के सम्मुख आवे?

V. कौन बजावे यह वीणा जो स्वयं एक जीवन-भर की साधना रही?

Group – C

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए – [2×4=8

क) मनु ने श्रद्धा के कोमल अधरों पर कैषी मुस्कान देखी?

ख) यह क्यों कहा गया है कि नश्वर मनुष्य को देवता कहना झूठ है?

ग) 'अंधेरे' में 'नगर की मृतात्माएँ' द्वारा किन पर व्यंग्य किया गया है?

घ) राजा असाध्य वीणा का इतिहास बताते हुए क्या कहते हैं?

HC-4

विभाग 'क'

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 700 से 1000 शब्दों में दीजिए :-

[3×14=42

क) हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथों के संबंध में परिचय देते हुए एक आलोचनात्मक लेख लिखिए ।

ख) आदिकालीन साहित्यिक परंपराओं के बारे में चर्चा करते हुए इस काल की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

ग) रासो साहित्य के ऊपर विस्तार से चर्चा कीजिए ।

घ) निर्गुण भक्ति काव्यधारा की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए संत काव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

ङ) सगुण भक्ति काव्यधारा का उद्भव और विकास पर अलोकपात करते हुए इस काल की प्रमुख प्रवृत्तियों के बारे में सविस्तार चर्चा कीजिए ।

विभाग 'ख'

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 400 से 500 शब्दों के बीच दीजिए ।   3×10=30
   - क) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी की युगीन चित्तवृत्ति के संबंध में आपका क्या विचार है – उल्लेख कीजिए।
   - ख) हिन्दी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण की समस्याओं पर एक लेख लिखिए ।
   - ग) नाथ साहित्य की प्रमुख विशेषताओं पर आलोचना कीजिए ।
   - घ) हिन्दी संत काव्य परंपरा में कबीरदास का महत्व स्पष्ट कीजिए ।
   - ङ) कृष्णभक्ति काव्यधारा के प्रमुख कवि सूरदास के व्यक्तित्व और कृतित्व का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

विभाग 'ग'

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 150 से 200 शब्दों में दीजिए :   2×4=8

क) भारतीय भक्ति आंदोलन के संदर्भ में आचार्य रामचंद्र शुक्ल जी का क्या विचार है ?

ख) "चर्यापद" के संबंध में संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

ग) सूफी काव्यधारा के प्रमुख कवि जायसी के साहित्यिक अवदान का संक्षिप्त भूल्यांकन कीजिए ।

घ) 'मीराबाई' के ऊपर एक संक्षिप्त परिचय लिखिए ।

HC-5

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखिए।   16×5

1.रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि और परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

2.1857 में हिंदी क्षेत्र का नवजागरण पर एक लेख प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

भारतेंदु मंडल के योगदान पर चर्चा कीजिए।

3.हिंदी नवजागरण और सरसती पत्रिका के योगदान चर्चा कीजिए।

अथवा

हिंदी नबजागरण की मुख्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

4.प्रसाद के नाटकों की विशोषताओं को विवेचनामक उल्लेख कीजिए।

अथवा

हिंदी उपन्यास के उद्भव-विकास के प्रमुख चरणों के महत्व प्रतिपादित कीजिए।

5.छायावाद काव्य की काव्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

प्रगतिवाद के पक्ष तथा विवपक्ष युक्तियों पर चर्चा कीजिए।

HC-6

विभाग – क

1. निम्नलिखित प्रश्नों से किन्हीं तीन के उत्तर 700 से 1000 शब्दों में लिखिए। 14×3

I. साहित्य जनसमुह के हृदय का विकास हैं निबन्ध के आधार पर भट्ट जी के प्रतिपादित विचारों को लिखिए।

II. लच्छमा के चरित्र की विशेषताओं को लिखिए।

III. आवारा मसीहा नामकरण की सार्थकता पर विचार व्यक्त कीजिए।

IV. क्या भुलुं क्या याद करूँ आत्मकथा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

V. अस्ति की पुकार हिमालय निबन्ध में व्यक्त लेखक के विचारों को लिखिए।

विभाग – ख

2. निम्नलिखित पद्यांशें में से किन्हीं तीन के 400 से 500 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 10×3

I. यह जो मेरे सामने कुटज का लहराया पौधा खड़ा है, वह नाम और रूप दोनों में अपनी अपराजेय जीवनी शक्ति की घोषणा कर रहा है।

II. हिन्दी को बैसवाड़े की इस देन का यह कारण है कि जन साधारण में अब भी साहित्य की एक जाग्रत और सजीव परम्परा विद्यमान है।

III. देवदास की पारो, बड़ी दीदी की माधवी और श्रीकान्त की राजलक्ष्मी, ये सब धीरु ही का तो विकसित और विराट रूप हैं। विशेषकर, देवदास में तो जैसे उसने बचपन को ही भूत रूप दिया।

IV. क्या मेरे अन्दर का कहानीकार मर गया? मरता जीवन में कुछ नहीं केवल रूप बदलता है। कहानीकार मेरे कवि में आत्मसात हो गया।

V. या शायद जैनेन्द्री भाषा में मुझे ही कुछ हो गया है या न-कुछ हो गया है। मुझे ही क्यों मेरे अडोसी-पड़ोसी सब के ही वो यह हो गया है कि हिमालय या किसी भी अस्ति की पुकार नहीं सुनायी पड़ती।

विभाग – ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 150 से 200 शब्दों में दीजिए। 4×2

I. बैलगाड़ी निबन्ध के आधार पर लेखक की बैलगाड़ी यात्रा को लिखिए।

II. क्या भुलुं क्या याद करूं आत्मकथा में लेखक ने छुआछूत एवं जातिप्रथा पर क्या विचार व्यक्त किया है ?

III. साहित्य जन समूह के हृदय का चित्रपट हो कैसे ?

IV. विद्यानिवास मित्र ने समाज की स्वार्थ भावना एवं भारत की जनतन्त्रात्मक प्रणाली पर कैसा व्यंग्य किया है ?

AE-1

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखिए। 16×5

1.रस का स्वरूप बताते हुए उसके विविध अंग और भेद पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रसनिष्पत्ति और साधारणीकरण के संबंध को स्पष्ट कीजिए।

2.अलंकार की परिभाषा और स्वरूप का सम्यक् परिचय दीजिए।

अथवा

अलंकार संप्रदाय के आधार पर अलंकार के प्रकार भेद का परिचय दीजिए।

3.रीति की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसकी परंपरा को उल्लेख कीजिए।

अथवा

रीति और गुण का अंतर बताते हुए उसका वर्गीकरण कीजिए।

4.ध्वनि संप्रदाय की प्रमुख स्थापनाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

ध्वनि सिद्धांत की अलोचना कीजिए।

5.विभिन्न आचार्यों द्वारा किए गए वक्रोक्त के वर्गीकरण का परिचय दीजिए।

अथवा

बक्रेक्ति सिद्धांत का सांगोपांग विवेचन कीजिए।

AE-2

1.हिन्दी कथा साहित्य के विकास में महिला कथाकारों के योगदान की र्चा कीजिए। 16

अथवा

साठोन्तरी महिला कथाकारों का हिन्दी कहानी के विकास में क्या योगदान है ?

2.कृष्णा सोबती का विस्तृत परिचय दीजिए।

अथवा

मन्नु भंडारी के व्यक्तित्य एवं कृतित्व का उल्लेख कीजिए।

3.‘पचपन खम्बे लाल दीवारें’ उपन्यास में वर्णित मुख्य समस्या की चर्चा कीजिए। 16

अथवा

नील का चरित्र चित्रण कीजिए।

4.‘सिक्का बदल गया’ कहानी के उद्देश्य की चर्चा कीजिए। 16

अथवा

कहानी कला की दृष्टि से ‘वापसी’ कहानी की समीक्षा कीजिए।

5.‘महानगर की मैथिली’ कहानी के माध्यम से लेखिका क्या दर्शाना चाहती है। 16

अथवा

तुर्णा के चरित्र की विशेषताओं को लिखिए।

HC-7

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 700 से 1000 शब्दों के बीच दीजिए। [14×3

I. अनुसंधान कार्य में आलोचना की उपयोगिता प्रर प्रकाश डालिए।

II. अनुसंधान के मूल तत्त्वों का परिचय दीजिए।

III. ‘सामग्री संकलन’ शोध कार्य के लिए क्यों आवश्यक है ? सोदाहरण समझाइए।

IV. शोध कार्य का विभाजन कैसे किया जाता है ? युक्तिमुक्त उत्तर दीजिए।

V. साहित्यिक अनुसंधान की सामाजिक उपयोगिता पर तर्कसंगत ढ्रग से प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर 400 – 500 शब्दों के बीच दीजिए : [10×3

I. अनुसंधान के स्वरूप को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
II. अनुसंधान के प्रकारों की चर्चा कीजिए ।
III. शोधकार्य में 'प्रस्तावना' क्यों महत्त्वपूर्ण है ? सोदाहरण बताइए ।
IV. विषय निर्वाचन से आप क्या समझते हैं ? तर्कसंगत उत्तर दीजिए ।
V. साहित्यिक अनुसंधान में ऐतिहासिक तथ्यों के उपयोग की प्रमुख विधियों को बताइए ।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 150 से 200 शब्दों के बीच दीजिए । [4×2

I. 'आलोचना' शब्द का व्युत्पत्तिपरक अर्थ बताते हुए उसकी परिभाषा लिखिए।
II. साहित्यिक अनुसंधान से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण बताइए ।
III. प्रबंध – लेखन के प्रमुख सिद्धांतों की चर्चा कीजिए ।
IV. शोधकार्य की रूपरेखा कैसे तेयार की जाती है ? बताइए ।

CE-1

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक उत्तर 700 से 1000 शब्दों के बीच होना चाहिए ।14×3

I. भारतीय दलित साहित्य के इतिहास पर आलोचना कीजिए ।
II. 'धरती धन न अपना' में चित्रित दलित समाज की समस्याओं को रेखांकित कीजिए ।
III. 'जूठन' में अभिव्यक्त ओमप्रकाश वाल्मीकि के जीवनानुभव को स्पष्ट कीजिए ।
IV. कहानी – कला की दृष्टि से 'दाग दिया सच' कहानी की समीक्षा कीजिए ।
V. 'बलात्कारी' कहानी की कथावस्तु और उद्देश्य पर आलोचना कीजिए ।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । 10×3

I. किसी को जनेऊ का अधिकार देकर, किसी को मंदिर प्रवेश का अधिकार देकर, किसी के घर चंडी पाठ कर, किसी के ऊपर पानी छिड़क कर, किसी को दूब का स्पर्श कर ब्राह्मण दूसरों को उद्धार करना रहना है और इस तरह वह हमेशा अपना वर्चस्व बनाए रखता है तथा जाति प्रथा को नष्ट होने से बचाए रखना है।

II. अस्पृश्यता का ऐसा भाहौल कि कुत्ते-बिल्ली, गाय – भैंस को धूना बुरा नहीं था। लेकिन यदि चूडड़े का स्पर्श हो जाए तो पाप लग जाता था। सामाजिक स्तर पर इनसानी दर्जा नहीं था। वे सिर्फ जरूरूत की वस्तु था। काम पुरा होते ही उपयोग खत्म। इस्तेमाल करो, दूर फेंको।

III. जिन्दगी बड़ी अजीब पहेली है। कभी दुख, कभी सुख .. कभी – कभी खामोशी.... एक अजीब तरह की कसमकश। उस दिन भी तो ऐसी ही कसमकश थी। मुझे याद आ रही हैं मेरे कॉलेज में गुजरे वो दिन जब मैं इण्टर में पढ़ता था। अगस्त का महीना था... हल्की हल्की बूंदा -बाँदी के बीच मैं स्कूल गया था।

IV. कभी – कभी कोई अभागा ऐसा भी पैदा हो जाता है जिसे अपने वाल्दैन से नाक, मुँह, आँख, रंग-रूप के ही नहीं, किसी और चीज के अनचाहे गुणसूत्र भी मिल जाते हैं, जैसे येगाचिक कण्ठरोग का गुणसूत्र। लगभग वैसा ही मिला था नाई होने का गुणसूत्र। जबतक वे छोटे थे, इस गुणसूत्र का उन पर सीधा कब्जा नहीं हुआ था।

V. आप भूल रहे हैं। चमारों की इज्जत जाने से गाँव की इज्जत नहीं जाती और जिस गाँव में चमारों की इज्जत हो, उसमें फिर हम लोगों की इज्जत नहीं हो सकती। यही अधर्म है, यही व्यवस्था का विरोध है और यही अनीति है। आखिर चमार का मेहमान भी तो चमार ही होगा, ना।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर 150 से 200 शब्दों के बीच होना चाहिए। 4×2

I. दलित साहित्य के संदर्भ में अंबेदकर चिंतन का महत्व स्पष्ट कीजिए।

II. काली को चमाढड़ी से क्यों भागना पड़ता है? स्पष्ट कीजिए।

III. 'बलात्कारी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता प्रतिपादित कीजिए।

IV. 'अस्मिता लहू-लुहान' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

CE-2

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखिए।

1.देवनागरी लिपि की विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 16

अथवा

देवनागरी लिपि के मानकीकरण के लिए किसे गये प्रयासों की चर्चा करते हुए इसकी अद्यतन वर्णमाला का उल्लेख कीजिए।

2.प्राचीन भारतीय आर्यभाषा के रूप में वैदिक संस्कृत की विशेषताएँ बताइए। 16

अथवा

लौकिक संस्कृत के उद्भव पर प्रकाश डालते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

3.मध्यकालीन भारतीय आर्थभाषा के रूप में प्राकृत भाषा के उद्द्भव और विकास का विवरण दीजिए। 16

अथवा

अपभ्रंश के विभिन्न भेदों की चर्चा करते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

4.आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं की विशेषताएँ बताइए। 16

अथवा

आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं के उद्भव और बर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

5.हिंन्दी के भोगोलिक विस्तार पर प्रकाश डालते हुए वहाँ बोली जानेवाली बोलियों का वर्गीकरण कीजिए। 16

अथवा

खडीबोली की विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

AE -3

1.निम्नलिखित में से किन्हीं तीन के उत्तर 700 – 1000 शब्दों के बीच दीजिए 14×3=42

I. अरस्तू के अनुकरण सिद्धांत की चर्चा कीजिए।
II. कॉलरिज के कल्पना सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।
III. आई.ए. रियाईस के भाषा सबंधी विचार पर प्रकाश डालिए।
IV. इलियट के निवैयक्तिकता के सिद्धान्त का विश्लेषण कीजिए।
V. मनोविश्लेषण वाद की परीभाषा देते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2.निम्नलिखित में से किन्ही तीन के उत्तर 400 – 500 शब्दों में दीजिए : 10×3=30

I. प्लेटो के काव्य सृत्य पर प्रकाश डालिए।
II. लोजाइनस के उदात्त तत्व का विवेचन कीजिए।

III. अभिव्यंजनावाद की विशेषताएँ बताइए ।
IV. मैथ्यू आर्नल्ड के कला और नैतिकता संबंधी विचार पर प्रकाश डालिए ।
V. आधुनिकतावाद की विशेषताओं की चर्चा कीजिए ।

3.निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर 150-200 शब्दों में दीजिए : 4×2=8

I. त्रासदी पर एक टिप्पणी लिखिए ।
II. वर्डसवर्थ ने काव्यभाषा के संबंध में क्या कहा हैं ?
III. वस्तुनिष्ठ समीकरण क्या है ? समझाइए ।
IV. मार्क्सवाद पर एक टिप्पणी लिखिए ।

OE-1

1.निम्नलिखित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 700-1000 शब्दों में लिखित : 12×2=24

I. राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी के महत्व पर विचार कीजिए ।
II. बैंकिंक क्षेत्र में प्रयुक्त होनेवाली हिंदी की विशोषताओं को लिखिए ।
III. प्रारूपण किसे कहते हैं? कार्यालयी कामकाज में इसकी उपयेगिता पर प्रकाश डालिए ।

2.निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 400-500 शब्दों में लिखिए : 8×1=8

I. राजभाषा हिंदी के अर्थ और स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।
II. बीमा के क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग पर प्रकाश डालिए ।

3.निम्नलिखित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 150 – 200 शब्दों में लिखिए : 4×2=8

I. राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति पर विचार कीजिए ।

II. पारिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता क्या है, लिखिए ।

III. संक्षेपण की उपयोगिता प्रर प्रकाश डालिए ।

HC-8

1.किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।   14×3

I. 'अन्धेर नगरी' नाटक युगीन यथार्थ का बोध कराने वाली नाट्य कृति है ? इस कथन का विवेचन कीजिए ।

II. स्कंदगुप्त की चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए ।

III. 'आर्ध अधूरे' नाटक में चित्रित पारिवारिक विघटन को अपने शब्दों में लिखिए ।

IV. 'समरेखा विषमरेखा' एकाकी के माध्यम से एकांकीकार क्या कहना चाहते हैं ?

V. 'पर्दे के पीछे' एकाकी में निहित सामाजिक व्यग्यं समझाकर लिखिए ।

2.किन्ही तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

I. टके के वास्ते पाप को पुण्य मानै, टके के वास्ते झूठी गवाही दें टके के वास्ते पाप को पुण्य मानै, टके के वास्त नीच को भी पितामह बानावै ।

II. चक्र ! ऐसा जीवन तो बिडम्बना है, जिसके लिए दिन - रात लड़ना पंड़े ! आकाश में जब शीतल शुभ शरद शाशि का विलास हो तब भी दाँत पर दाँत रखे, मुटियों को बाँधे लाल आँखों से एक दूसरे को घूरा करें !

III. मैं इस घर में एक खड़े स्टैपं भी नहीं, सिफ एक रवड़ का टुकड़ा बार बार घिसा जान वाला। इसके बाद क्या कोई मुझे वजह बता सकतां है, एक भी ऐसी वजह कि क्यो मुझे रहना चाहिए इस घर में ?

IV. ठूंठ वृक्ष आकाश को छूने पर भी अपनी महानता का सिक्का हमारे दिलों पर उस समयतक नहीं विठला सकता जब तक अपनी शाखओं में वह ऐसे पते नहीं लाता, जिनकी शीला सुखद छाया मन के समस्त ताप को हर ले और जिनके फूलों की भीनी - भीनी सुगन्ध हमारे प्राणो में पुल्क भर दे ।

V. एक तरफ गाँव और दूसरी तरफ नागरिकं शिक्षा दीक्षा और सम्यता की मजबूत जकड़ ! उफ, कैसी भयानक है यह खाई निजसे हमारे तन हमारे मन हमारे व्यक्तित्व को दो टूक कर दिया ? बताइए कैसे ये दुविधा मिट सकती हैं ? कैसे हम धरती की गन्ध धरती के स्पंश को पा सकते हैं ?

3.किन्ही दो प्रश्नो के उत्तर दीजिए।

I. 'स्कन्दगुप्त' नाटक में चित्रित शब्द प्रेम का उल्लेख कीजिए।
II. सावित्री का महेन्द्रनाथ के प्रति कटु व्यवहार का कारण क्या है?
III. 'अन्धेर नगरी' में चित्रित सामाजिक चेतना को लिखिए।
IV. 'स्ट्राइक' एकांकी के नामकरण की सार्थकता पर रोशनी डालिए।

CE-3

1.निम्नलिखित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 700 से 1000 शब्दो में लिखिए : 14×3

I. भाषा की परिभाषा बताते हुए उसकी प्रकृति और विविध रूप पर प्रकाश डालिए।
II. भाषाविज्ञान के स्वरूप तथा उसके प्रमुख अंगों पर आलोचना कीजिए।
III. वाग्यन्त्र का चित्र प्रस्तुत करते हुए उसके विभिन्न स्थान का परिचय दीजिए।
IV. वाक्य परिवर्तन के कारणों पर चर्चा कीजिए।
V. अर्थ की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए अर्थपरिवर्तन की दिशाओं पर आलोकपात कीजिए।

2.निम्नलिखित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 400 से 500 शब्दो में लिखिए : 10×3=30

भाषा के विकास के प्रमुख कारणों को बताइए।

I. भाषा विज्ञान के प्रमुख अध्ययन पद्धतियों पर प्रकाश डालिए।
II. अंतर्राष्ट्रीय ध्वनि-लिपि पर एक लेख प्रस्तुत कीजिए।
III. वाक्य विज्ञान में निकटस्थ अवयव का क्या महत्व है ?
IV. शब्द और अर्थ के संबध को स्पष्ट कीजिए।

3.किन्हीं दो पर टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए: (150 से 200 शब्दों में) [4×2=8

I. भाषा के विविध अंग

II. भाषा की एक मान्य परिभाषा
III. ध्वनिविज्ञान का स्वरूप
IV. एकार्थक और अनेकार्थक शब्दों में अंतर

CE-4

1.निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन (700 से 1000 शब्दो के बीच) प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। [14×3=42

I. तुलनात्मक साहित्य का उद्देश्य बताइए।
II. भारतीय साहित्य की संकल्पना पर विचार कीजिए।
III. तुलनात्मक साहत्यि की प्रविधियों से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण बताइए।
IV. विश्व साहित्य की संकल्पना पर विचार कीजिए।
V. हिंदी ओड़िआ आधुनिक काव्य की तुलनात्मक रूपरेख पर प्रकाश डालिए।

2.निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन (400 से 500 शब्दो के बीच) प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए। [10×3=30

I. तुलनात्मक साहित्य की सीमाएँ निरूपित कीजिए।
II. तुलनात्मक साहित्य के विभिन्न स्कूलों का परिचय दीजिए।
III. तुलनात्मक साहित्य की प्रविधियों की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
IV. तुलनात्मक साहित्य का अंतर्विद्यावती स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
V. हिंदी – ओड़िआ आधुनिक कथा साहित्य का परिचय दीजिए।

3.निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो (150 से 200 शब्दों के बीच) के अतिसंक्षिप्त उत्तर दीजिए। 4×2=8

I. तुलनात्मक साहित्य की परिभाषा लिखिए।
II. तुलनात्मक साहित्य के प्रारंभिक विकास का परिचय दीजिय।
III. राष्ट्रीय साहत्यि की संकल्पना पर विचार कीजिए।
IV. तुलनात्मक अध्ययन की सामाजिक उपादेपता पर प्रकाश डालिए।

OE-2

1.निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 700 से 1000 शब्दो में लिखिए : 12×2=24

I. हिंदी पत्रकारिता के इतिहास पर एक लेख प्रस्तुत कीजिए।
II. जनसंचार के दृश्य श्रव्य माध्यम के विकास को स्पष्ट कीजिए।
III. समाचार की परिभाषा देते हुए समाचार संकलन और लेखन कला पर प्रकाश डालिए।

2.किसी एक प्रश्न का उत्तर 400 से 500 शब्दो में लिखिए : 8×1=08

I. ‘हँस’ पत्रिका की विशेषताओं को लिखिए।
II. समाचार पत्र में संपादकीय लेखन का महत्व को बताइए।

3.किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 150 से 200 शब्दों में लिखिए : 4×2=8

I. जनसंचार माध्यम के विविध माध्यमों को परिचय दीजिए।
II. एंट्री व शीर्षक का क्या अर्थ है ?
III. सरस्वती पत्रिका का परिचय दीजिए।